प्रति डाक घर सेवित जनसंख्या का अनुपात

1227. **श्री आस मोहम्मद :**
श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला :

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के विभिन्न राज्यों में प्रति डाक घर सेवित जनसंख्या का अनुपात भिन्न-भिन्न है ;

(ख) यदि हां, तो वर्तमान आंकड़ों के अनुसार इस संबंध में राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) इस संबंध में बिहार का अनुपात क्या है ; और

(घ) सरकार ने इस मामले में बिहार को राष्ट्रीय औसत स्तर तक लाने की दिशा में क्या कार्रवाई की है?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) जी हां

(ख) और (ग) प्रत्येक डाक घर द्वारा जितनी औसत जनसंख्या को सेवा प्रदान की जाती है, उसका राज्यवार ब्यौरा विवरण में दिया गया है जिसमें बिहार भी शामिल है। **(नीचे देखिये)**

(घ) डाक घर पंचवर्षीय योजनाओं के तहत उत्तरोत्तर रूप से खोले जाते हैं, बशर्ते कि विभागीय मानदंडों की पूर्ति होती हो और संसाधन उपलब्ध रहें। आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम दो वर्षों के दौरान बिहार के लिये 168 डाकघर स्वीकृत किये गये और 1994-95 के दौरान 21 डाकघर खोलने का प्रस्ताव है।

विवरण

प्रत्येक डाकघर द्वारा कितनी औसत जनसंख्या को, राज्यवार, सेवा प्रदान की जाती है।

क्र.सं.	राज्य तथा संघ शासित क्षेत्र का नाम	एक डाक घर द्वारा जितनी औसत जनसंख्या को सेवा प्रदान की जाती है
1	आंध्र प्रदेश	4095
2	असम	5887
3	अरूणाचल प्रदेश	3054
4	बिहार	7423
5	दिल्ली	17128
6	गोवा	4693
7	हरियाणा	6376
8	हिमाचल प्रदेश	1896
9	जम्मू और कश्मीर	3782
10	कर्नाटक	4582
11	केरल	5834
12	महाराष्ट्र	6432
13	मध्य प्रदेश	5897
14	मणिपुर	2722
15	मेघालय	3683
16	गुजरात	4643
17	मिजोरम	1794
18	नागालैंड	4065
19	उड़ीसा	3922
20	पंजाब	5197
21	राजस्थान	4279
22	सिक्किम	2059
23	तमिलनाडु	4583
24	त्रिपुरा	3933
25	उत्तर प्रदेश	6943
26	पश्चिम बंगाल	8038
	संघ शासित क्षेत्र	
1	अंडमान और निकोबार	2866
2	चंडीगढ़	12814
3	दादर और नगर हवेली	4073
4	दमन और दीव	5975
5	लक्षद्वीप	1625
6	पांडिचेरी	7894
	(अखिल भारतीय औसत 5527)	

देश में कार्यरत एस० टी० डी०/आई० एस० डी० बूथ

1228. **प्रो० राम लखन सिंह यादव :** क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) देश में राज्यवार कुल कितने एस.डी.टी./आई.एस.डी. बूथ कार्यरत हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि इनकी मांग में वृद्धि होने के बावजूद सरकार इन सुविधाओं में वृद्धि करने पर विचार कर रही हैं ; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) देश में दूरसंचार सर्किल-वार अनुरक्षित एस.टी.डी/आई.एस.डी. बूथों की संख्या संलग्न विवरण में दी गई है ।

(ख) जी, नहीं । वर्ष 1994-95 के दौरान 53,600 एस.टी.डी., आई. एस.डी. सार्वजनिक टेलीफोन बूथ खोलने का लक्ष्य रखा गया है और अप्रैल, 94 से जनवरी, 95 के दौरान 21,459 बूथ संस्थापित किये जा चुके हैं ।

(ग) उक्त (ख) के उत्तर को देखते हुये प्रश्न नहीं उठता ।

विवरण

सर्किलवार एस० टी० डी०, पी० सी० ओ० की संख्या

क्र.सं.	सर्किल/जिले का नाम	संख्या
1	आंध्र प्रदेश	5150
2	अंडमान तथा निकोबार	39
3	असम	1134
4	बिहार	1937
5	गुजरात	8050
6	हरियाणा	2182
7	हिमाचल प्रदेश	349
8	जम्मू तथा कश्मीर	229
9	कर्नाटक	5641
10	केरल	5356
11	मध्य प्रदेश	5612
12	महाराष्ट्र	7931
13	उत्तर पूर्व	353
14	उड़ीसा	1307
15	पंजाब	4900
16	राजस्थान	4978
17	तमिलनाडु	4648
18	उत्तर प्रदेश	6373
18	पश्चिम बंगाल	179
20	बम्बई	4809
21	कलकत्ता	2819
22	दिल्ली	2538
23	मद्रास	1692

दूर-दराज के क्षेत्रों में वायरलेस टेलीफोन

1229. श्री मूलचन्द मीणा :

श्री अजीत जोगी :

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की संचार आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु वायरलैस टेलीफोन लगाने की वाणिज्यिक और प्रौद्योगिकीय संभावनाओं की जांच करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो उक्त जांच कार्य कब शुरू कर दिया जायेगा, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार देश में "कलैक्ट काल" प्रणाली शुरू करने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) सरकार ने देश के ग्रामीण क्षेत्रों में वेतार टेलीफोनों को संस्थापित करने का निर्णय पहले ही ले लिया है । इसे तकनीकी-आर्थिक जांच के आधार पर किया जाता है । ऐसी प्रणलियों को बड़ी संख्या में ग्रामीण नेटवर्क में शामिल किया गया है ।